डॉ. जय प्रकाश पाण्डेय
हिन्दी विभागाध्यक्ष
संत जेवियर्स कॉलेज, राँची–834001
मो० नं०–9431574250

(क) प्रकाशित पुस्तकें :–

1. दयानाथ लाल की काव्य–चेतना (सम्पादित समीक्षा ग्रंथ), तूलिका प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996 **मूल्य 150/–**
2. पंत का काव्य विकास (शोध–ग्रंथ), भावना प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999 ISBN-81-7667-023-5 **मूल्य 200/–**
3. सुमित्रानंदन पंत का जीवन वृत्त एवं काव्य–सृजन (शोध–ग्रंथ), के.के. पब्लिकेशन, इलाहाबाद, 2012. ISBN-978-81-87568-52-0 **मूल्य 250/–**
4. आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिन्दी (शोध–ग्रंथ) परिक्रमा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015. ISBN-978-81-8021-025-9 **मूल्य 400/–**
5. सामासिक संस्कृति और बीसवीं शताब्दी के हिन्दी महाकाव्य (शोध–ग्रंथ) प्रगतिशील प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016. ISBN-978-93-81615-76-8 **मूल्य 700/–**
6. आधुनिक हिन्दी कविता का सांस्कृतिक विमर्श (शोध–ग्रंथ) प्रगतिशील प्रकाशन, नई दिल्ली–2016. ISBN-978-93-81615-78-2 **मूल्य 700/–**
7. आधुनिक हिन्दी कविता में धर्म और सम्प्रदायवाद (शोध–ग्रंथ) परिक्रमा प्रकाशन, नई दिल्ली–2017. ISBN-978-81-8021-038-9
8. कोश विमर्श (शोध–ग्रंथ) समन्वय प्रकाशन, गाजियावाद, 2018. **मूल्य 400/–**
9. विश्वनायक नरेन्द्र मोदी, परिक्रमा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019, **मूल्य 250/–**
10. प्रशासनिक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग (शोध–ग्रंथ), सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2021. ISBN-978-81-953249-7-2 **मूल्य 700/–**
11. छायावाद : तथ्य एवं कथ्य, (शोध–ग्रंथ), परिक्रमा प्रकाशन, दिल्ली, 2021. ISBN-978-93-93072-00-9. **मूल्य 600/–**

12. रीतिकाल : चिंतन और विश्लेषण (शोध–ग्रंथ), प्रगतिशील प्रकाशन, नई दिल्ली, 2022, ISBN-978-93]91993-05-4. मूल्य 400/–

13. महारथी कर्ण (शोध–ग्रंथ), एजुकेशनल बुक सर्विस, नई दिल्ली 2022, ISBN-978-81-952938-5-8. मूल्य 400/–

14. आत्मानुभूति के विविध आयाम, परिक्रमा प्रकाशन, दिल्ली, ISBN-978-81 मूल्य 1,850/–

15. नाटक के विविध आयाम (शोध ग्रंथ), प्रगतिशील प्रकाशन, नई दिल्ली, 2022.

16. छायावाद और प्रकृति प्रेमी पंत (शोध–ग्रंथ) ; सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली–2022.

(ख) पुस्तकों में संग्रहीत रचनाएं :–

1. हिन्दी में अनूदित नाटक (शोधपरक निबंध) हिन्दी नाटक के सौ वर्ष : सं० – डॉ० बालेन्दु शेखर तिवारी, डॉ० बादाम सिंह रावत, गिरनार प्रकाशन, मेहसाना 1990, पृ० 192.
2. बड़ा पत्थर (लघु कथा) स्वाति बूँद : सं० डॉ० प्रमथ नाथ मिश्र (अयन प्रकाशन, नई दिल्ली) 1991, पृ० 121.
3. महाकवि पंत और उनका प्राकृतिक सौन्दर्य (शोधपरक निबंध) चिंतन की रेखाएं : सं० दयानाथ लाल, तूलिका प्रकाशन, नई दिल्ली 1993, पृ० 167.
4. सूर : विविध संदर्भो में (पुस्तक समीक्षा) व्यंग्य के लिए समर्पित एक नाम : सं० डॉ० बापू राय देसाई, डॉ० बृजेश कुमार पाण्डेय, अयन प्रकाशन महरौली, नई दिल्ली 1993, पृ० 141.
5. भाषा और बोली में अंतःसम्बन्ध (शोधपरक निबंध) सामाजिक भाषा शास्त्र : सं० बालेन्दु शेखर तिवारी, डॉ० सुरेश माहेश्वरी, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी 1996, पृ० 42.
6. व्यथित जी : युग चेतना के कवि (शोधपरक निबंध) डॉ० जयसिंह 'व्यथित' अभिनन्दन ग्रंथ, सं० डॉ० कृष्णकुमार सिंह ठाकुर, गुजरात हिन्दी विद्यापीठ, अहमदाबाद, जनवरी 2000, पृ० 3/45.
7. लोकगीत : भारतीयता और सामासिक संस्कृति (शोधपरक निबंध): लोकगीत की सत्ता, सं० डॉ सुरेश गौतम (शब्दसेतु 2022) दिल्ली, पृ० 134.
8. रसखानः आधुनिक संदर्भ : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, (2005), पृ० 162.
9. रहीम आधुनिक संदर्भ : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, (2005), पृ० 206.
10. विश्व में नारी का बदलता स्वरूप (अंतर्राष्ट्रीय निबंध) सं० डॉ० मुदिता चंद्रा, डॉ० सुलक्षणा टोप्पो, भावना प्रकाशन, दिल्ली, 2008, पृ० 487.
11. हजारी प्रसाद द्विवेदी का निबंधात्मक वैशिष्ट्य, शोधपरक निबंध हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और कृतित्व, सं०–डॉ० व्यासमणि त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य कला परिषद, पोर्टब्लेयर (अंडमान), 2008, पृ० 187.

12. कवयित्री महादेवी वर्मा का भाषा–सौष्ठव (:शोधपरक निबंध) : महादेवी वर्मा : व्यक्तित्व और कृतित्व, सं०–डॉ० व्यास मणि त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य कला परिषद, पोर्टब्लेयर (अंडमान), 2008, पृ० 257.
13. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का निबंध साहित्य, (शोधपरक निबंध) : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी और समकालीन विमर्श, (सं०) डॉ० विनय कुमार पाठक, डॉ० डी० एस० ठाकुर, पंकज बुक्स, दिल्ली–2010, पृ० 190.
14. डॉ० दयानाथ लाल के साहित्य में भक्ति भावना : परिचय व विश्लेषण : (शोधपरक निबंध), डॉ० दयानाथ लाल : साहित्य–साधना और दर्शन सं० रिंकू सिंहा, अयन प्रकाशन, महरौली, नई दिल्ली, 2013, पृ० 316.
15. अनुवाद के प्रभेद (शोध परक निबंध) अनुवाद शास्त्र, (सं०) डॉ० बालेन्दु शेखर तिवारी, समन्वय प्रकाशन, गाजियाबाद, 2017, पृ० 55.
16. उषा प्रियंवदा की कहानियों में मानवीयता (शोधपरक निबंध) अन्तर्वंशी के बहाने (सं०) डॉ० शैलजा माहेश्वरी, पंकज बुक्स, दिल्ली, 2018, पृ० 32.

(ग) पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित रचनाएं :–

1. नवभारत आया है (कविता) अंकुर (मासिक, जमशेदपुर) जुलाई, 1984.
2. होली (मराठी हास्य अनुवाद) ज्योत्स्ना (मासिक, पटना) मार्च 1987 पृ० 50.
3. रंग अनेक रूप अनेक (हास्य–व्यंग्य कविता) ज्योत्स्ना (मासिक, पटना), जुलाई, 1987, पृ० 45.
4. तथास्तु (मिथकीय लघु व्यंग्य) तुलसी (मासिक, भागलपुर), नवम्बर, 1987, पृ० 12.
5. विनाशकाले विपरीत बुद्धि (नाटक) पजावा राम लीला कमिटी (वार्षिक, इलाहाबाद) 1988 पृ० 105.
6. अधूरे स्वप्न (कविता) भागीरथी (मासिक, पूर्णिया) सितम्बर, 1988, पृ० 31.
7. लालच (लघु कथा) उदीयमान (लघुकथा विशेषांक, मासिक, डालटनगंज) नवम्बर दिसम्बर, 1988 पृ० 11.

8. लघुकथा की रचना प्रक्रिया (शोधपरक निबंध) न्यू मैसेज, (साप्ताहिक, राँची), सितम्बर, 1988 पृ० 12.
9. काश (लघुकथा), लघुकथा उत्सव–स्मारिका (22–23 सितम्बर, राँची) 1988, पृ० 12.
10. बड़ा पत्थर (लघुकथा) समर्चना (लघुकथा विशेषांक, त्रैमासिक, राँची) अक्टूबर–दिसम्बर, 1989, पृ० 28.
11. कविवर पंत के काव्य की सांस्कृतिक चेतना (शोधपरक निबंध), ज्योत्स्ना (मासिक पटना), जून, 1990, पृ० 43.
12. हिन्दी का संस्मरण साहित्य (शोधपरक निबंध), ज्योत्स्ना (मासिक पटना), दिसम्बर, 1990, पृ० 50.
13. समर्चना के माध्यम से उपवन की झलक (पत्रिका समीक्षा), आज (दैनिक, राँची) दिसम्बर, 1990, पृ० 7.
14. आदर्श बहू (लघुकथा) हिन्दी सप्ताह स्मारिका (दूरसंचार, दक्षिण बिहार क्षेत्र, राँची) सितम्बर, 1991.
15. कामायणी : एक पुनरावलोकन (शोधपरक निबंध), ज्योत्स्ना (मासिक पटना), 1992, पृ०
16. पत्नी चालीसा और अन्य हास्य कविताएं (पुस्तक समीक्षा) अमृत संदेश (दैनिक, रायपुर), 20 मार्च, 1992.
17. फणीश्वर नाथ रेणु का हिन्दी साहित्य में स्थान (शोधपरक निबंध) अवध पुष्पांजलि (मासिक, लखनऊ) जून, 1992 पृ० 13.
18. पंत के काव्य में आत्माभिव्यंजन (शोधपरक निबंध) प्रसन्न राघव (साप्ताहिक, पटना) अक्टूबर, 1992, पृ० 3.
19. पंत के काव्य में आत्माभिव्यंजन (शोधपरक निबंध) नालंदा दर्पण (मासिक, सोइसराय) अक्टूबर, 1992, पृ० 3.
20. आचार्य शिवपूजन सहाय और उनका कृतित्व (शोधपरक निबंध) मुक्त कथन (साप्ताहिक, बेगुसराय), 28 अगस्त, 1993 पृ० 3.

21. अधूरे स्वप्न (कविता) हिन्द आत्मा (साप्ताहिक, गाजियाबाद), 18 अक्टूबर, 1993, पृ० 3.
22. जयी बनो (कविता) हिन्द आत्मा (साप्ताहिक, गाजियाबाद), 18 अक्टूबर, 1993, पृ० 3.
23. अक्स–दर–अक्स : एक सफल उपक्रम (पुस्तक समीक्षा) साहित्यकार (त्रैमासिक, रायबरेली, उत्तर प्रदेश) नवम्बर, 1993 पृ० 63.
24. ज्योति विहग सुमित्रानंदन पंत (शोधपरक निबंध) राँची एक्सप्रेस (दैनिक, राँची) 28 दिसम्बर, 1993, पृ० 5.
25. ज्योति विहग सुमित्रानंदन पंत (शोधपरक निबंध) रैन बसेरा (मासिक, अहमदाबाद), सितम्बर, 1993, पृ० 16.
26. प्रेमाहुति से पूर्व (प्राक्थन) प्रेमाहुति (काव्य–संग्रह) कवि : गोकुल पाठक (सहयात्री प्रकाशन, राँची) पृ० 1.
27. व्यंग्य साधक : डॉ० बालेन्दु शेखर तिवारी (शोधपरक निबंध) सानुबंध (मासिक, लखनऊ), जनवरी, 1994, पृ० 44.
28. हिन्दी और कम्प्यूटर (शोधपरक निबंध) रैन बसेरा (मासिक, अहमदाबाद), फरवरी, 1993, पृ० 16.
29. अनुभूति (काव्य समीक्षा), सानुबंध (मासिक), मार्च, 1994, पृ० 55.
30. ज्योति विहग सुमित्रानंदन पंत (शोधपरक निबंध) सानुबंध (मासिक, लखनऊ), मई, 1994, पृ० 15.
31. भाषा और बोली में अंतः सम्बन्ध (शोधपरक निबंध) रैन बसेरा (मासिक, अहमदाबाद), अगस्त, 1994, पृ० 15.
32. हिन्दी शोध को डॉ० तिवारी का अवदान (शोधपरक निबंध) भागीरथी (हिन्दी द्वैमासिक, पूर्णिया) जुलाई–अगस्त, 1988, पृ० 28.
33. छायावादोत्तर छायावादी काव्य (शोधपरक निबंध) कला–कलश (अर्द्धवार्षिक, बम्बई) जनवरी, 1995, पृ०

34. पंत की उदार एवं व्यापक नारी भावना (शोधपरक निबंध) राँची एक्सप्रेस (दैनिक, राँची) 28 दिसम्बर, 1995, पृ० 7.
35. सुमित्रानंदन पंत की प्रारंभिक काव्य रचना (शोधपरक निबंध) राँची एक्सप्रेस (दैनिक, राँची) 28 दिसम्बर, 1995, पृ० 7.
36. जोहार बापू (पुस्तक समीक्षा), सं० डॉ० रामस्वार्थ सिंह, डॉ० बालेन्दु शेखर तिवारी, बात सामयिकी (मासिक, कलकत्ता) सितम्बर, 1996.
37. प्यारा भारत वर्ष (कविता) नवयुवक संघ, विशेषांक, राँची, अक्टूबर, 1996, पृ० 41.
38. पंत के काव्य दर्शन की कुंजी ज्योत्स्ना (शोधपरक निबंध) राँची एक्सप्रेस (दैनिक, राँची) 28 दिसम्बर, 1996, पृ० 4.
39. आदर्श बहू (लघुकथा) अक्षत (त्रैमासिक, बोकारो) अप्रैल–जून 1997, पृ० 15.
40. पंत के काव्य की सांस्कृतिक चेतना (शोधपरक निबंध), रैन बसेरा (मासिक, अहमदाबाद), सितम्बर, 1997, पृ० 9.
41. अभिनन्दन–सुख (हास्य–व्यंग्य) नव संकल्प (मासिक, राँची) मार्च 1998, पृ० 7.
42. आत्मकथा एक अध्यापक की (हास्य–व्यंग्य) प्रभात खबर (दैनिक, राँची) 6 अगस्त, 1998, पृ० 3.
43. सांस्कृतिक चेतना के कवि सुमित्रानंदन पंत (शोधपरक निबंध), रैन बसेरा (मासिक, अहमदाबाद) दिसम्बर, 1998, पृ० 3.
44. साम्प्रदायिक सद्भाव का त्योहार होली (निबंध) प्रभात खबर 'पत्रिका' (दैनिक, राँची) 28 फरवरी, 1999, पृ० 14.
45. भाषाई एकता आज के संदर्भ में (निबंध) मंगलदीप (हिन्दी, वार्षिक, मुम्बई) 1998–1999, पृ० 115.
46. हिन्दी और हिन्दुस्तान (निबंध) रैन बसेरा (मासिक, अहमदाबाद), जून, 1999, पृ० 3.
47. जिन्दगी का सच (निबंध) कैम्पस (त्रैमासिक, संत जेवियर्स कॉलेज, राँची) सितम्बर, 1999, पृ० 2.

48. भाषाई एकताः आज के संदर्भ में (निबंध), रैन बसेरा (मासिक, अहमदाबाद), मई, 2000, पृ० 6.
49. अथः श्री चमचा पुराण (हास्य–व्यंग्य) पठार टाइम्स (साप्ताहिक, राँची) 14 एवं 21 जनवरी, 2001 (क्रमशः) पृ० 6.
50. पंत की कविता का द्वितीय चरणः प्रकृति से मनुष्य तक की यात्रा, समन्वय (मासिक, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, गोरखपुर) मई, 2002, पृ० 55.
51. राष्ट्रीय, सांस्कृतिक चेतना के कवि 'प्रभात' (शोधपरक निबंध), आज दैनिक, पटना, 11 सित, 2002, पृ० 9.
52. दोनों जिम्मेवार हैं अपनी–अपनी जगह (निबंध) हिन्दुस्तान, दैनिक, राँची, 6 सित, 2003, पृ० 14.
53. चंदा उद्योगः (हास्य–व्यंग्य) : शरदोत्सव, देशप्रिय क्लब एण्ड लाइब्रेरी, राँची, 2006, पृ० .....
54. भगवान बचाए साहित्यकार पत्नी से (हास्य–व्यंग्य) : साहित्य–लहरी (हिन्दी साहित्य कला परिषद, अंडमान–निकोबार द्वीप समूह, पोर्टप्लेयर, जनवरी–2007, पृ० 45.
55. शैक्षिक क्रांति का केन्द्र बने झारखण्ड (लेख) हिन्दुस्तान, दैनिक, राँची, 3 अगस्त, 2007, पृ० 2.
56. मंचीय नाट्य–लेखन की जरूरत : (शोधपरक निबंध) राष्ट्रीय संगोष्ठी (विश्व विद्यालय अनुदान आयोग) 5 एवं 6 अक्टू., 2007. हिन्दी मंचीय नाट्य लेखन : दशा एवं दिशा, पृ० 27.
57. भारतीय संस्कृति के अमर गायक भक्त कवि तुलसीदास : (शोधपरक निबंध) प्रभात खबर, दैनिक, रिमिक्स सिटी, 2 नवम्बर, 2007, पृ० 2.
58. सामासिक संस्कृति और आधुनिक हिन्दी कविता (शोधपरक निबंध) हिन्दुस्तान, दैनिक, राँची, 04.04.2008, पृ० 02.

59. युगीन चेतना और हिन्दी पत्रकारिता (शोधपरक निबंध) स्मारिका, अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, 21–22 दिस., 2008. (जनसंचार क्रांति में पत्रकारिता का योगदान), पृ० 14.
60. विश्व में नारी का बदलता स्वरूप (निबंध) अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन जमशेदपुर, जनवरी, 2008, पृ० 56.
61. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का निबंध साहित्य (निबंध) इस्पात अंक 6 वर्ष–2009, पृ० 26.
62. पंत की कविता का द्वितीय चरण : प्रकृति से मनुष्य तक की यात्रा (शोध परक निबंध) द्वीप लहरी, हिन्दी साहित्य कला परिषद, पोर्टब्लेयर, अगस्त, 2009, पृ० 10.
63. भगवान बचाए साहित्यकार पत्नी से (हास्य–व्यंग्य) दैनिक भास्कर, (दैनिक), 8 दिसम्बर, 2011, पृ० 11.
64. आधुनिक हिन्दी कविता में साम्प्रदायिक (निबंध), शरदोत्सव, देशप्रिय क्लब एण्ड लाइब्रेरी, राँची, 2011, पृ० 29.
65. हिन्दी पत्र–पत्रिकाओं की कविताओं में सामासिक संस्कृति (शोधपरक निबंध), दृष्टिपात (मासिक) राँची, नवम्बर–2011, पृ० 22.
66. आधुनिक हिन्दी में प्रतिरोध चेतना और कवि नागार्जुन की काव्य–दृष्टि (शोधपरक निबंध), दृष्टिपात (मासिक), सितम्बर, 2012, पृ० 16.
67. विजयादशमी का महत्त्व (निबंध), शरदोत्सव, देशप्रिय क्लब एण्ड लाईब्रेरी, राँची, 2012, पृ० 29.
68. आधुनिक हिन्दी कविता में प्रतिशोध चेतना और कवि नागार्जुन की काव्यदृष्टि (शोध परक निबंध) द्वीपलहरी (अर्द्ध वार्षिक), हिन्दी साहित्य कला परिषद, पोर्टप्लेयर, (अण्डमान निकोबार द्वीप समूह), जनवरी–जुलाई–2013, पृ० 7.
69. विश्व में नारी का बदलता स्वरूप (शोधपरक निबंध) शरदोत्सव, देशप्रिय क्लब एण्ड लाइब्रेरी, राँची, 2014, पृ० 01.
70. कंट्रोल (मिथकीय व्यंग्य) अनवरत (मासिक) राँची जून, 2015, पृ० 28.

71. स्वातंत्र्य चेतना के कवि निराला (शोध आलेख), अनवरत (मासिक) राँची, अगस्त, 2015, पृ० 27.
72. बाबा भीमराव अम्बेदकर (शोध आलेख) छट्ठा ग्रेजुएशन सेरेमनी, संत जेवियर्स कॉलेज, राँची, 2016, पृ० 29.
73. अपनी–अपनी साहित्यिक चौकड़ी (हास्य–व्यंग्य), अनवरत (मासिक) राँची, जुलाई 2016, पृ० 17.
74. सामासिक संस्कृति और बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कविता (शोध आलेख) संत, जेवियर्स कॉलेज, राँची, 2017, पृ० 14
75. सत्यमेव जयते (निबंध) शारदोत्सव, देश प्रिय क्लब एण्ड लाइब्रेरी, राँची, 2018, पृ० 42.
76. गुरू और शिष्य का सम्बंध (निबंध) 10^{th} ग्रेजेएशन सेरेमनी, 2019, संत जेवियर कॉलेज, राँची, 2019, पृ० 01.

Research Scholar for Ph. D/D.Lit.

1. Sunil Kr. Sinha – 11.12.2019 – 22.12.2003.
   पंत और शैली (Shelley) के काव्य में प्रकृति चित्रण का तुलनात्मक अध्ययन.
2. Purushottam Kumar – 09.02.2002 – 27.02.2008-
   विशिष्ट हिन्दी उपन्यासकारों की सृजन प्रक्रिया का विश्लेषण.
3. Tribeni Prasad Mahto – 15.02.2003 – 14.12.2010-
   डॉ० शिव मंगल सिंह सुमन के काव्य का रचना शिल्प.
4. Shiv Kr. Verma – 18.06.2013 – 06.11.2017-
   छायावादी काव्यों में राष्ट्रीयता की भावना.
5. Kumari Shanta – 30.01.2019 –
   जैनेन्द्र कुमार के उपन्यासों में नारी : एक मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन.
6. Anuradha Kumari – 21.02.2019-
   मेहन राकेश के उपन्यासों में आधुनिक जीवन की समस्याएं.
7. Vikram Kumar – 22.11.2018 –
   हिन्दी भाषा और आधुनिक जनसंचार के विविध आयाम.
8. Sudhir Kumar – 03.05.2019 –
   भूमण्डलीकरण : हिन्दी सिनेमा और हाशिए का समाज.

D. Lit.

9. Jitendra Kr. Singh – 19.01.2022 –

   हिन्दी बाल काव्य का बच्चों के व्यक्तित्व विकास में योगदान (प्रकाश मनु के संदर्भ में)

6. Academic qualification (matriculation onwards) :-

Examination Passed	Board/University	Year of Passing	Result	% of marks
Matric	Bihar Board Patna	1978	2nd	59.4%
Intermediate	Ranchi University	1978-80	2nd	59%
Graduation	Ranchi University	1980-82	1st	63.3%
Post Graduation	Ranchi University	1982-84	1st	64.4%
Ph.D	Ranchi University	1991		
D. Litt.	Ranchi University	2004		

7. Date of M. Phil/Ph.D. awarded :- 20.12.1991

8. (a) Experience of Guiding Research :-

Date of registration of the research scholar for Ph.D./D.Litt./D/Sc.		**Date of Award of Degree**
1. S.K Sinha	11.12.2019	22.12.2003
2. P.K Pandey	09.02.2002	27.02.2008
3. Tribeni Pd. Mahto	05.02.2003	14.12.2010
4. S.K Verma	18.06.2013	06.11.2017

(b) research followship/Awards/Projects granted to the applicant with the name of the sponsoring body.

VGC Minor Research Project

1. 14 Aug 2001
2. 27 March 2006 and
3. 02 Aug 2011

(c) Details of orientation course/Summer Institutes/refresher courses attended under different educational programmers specified by the U.G.C.

1. Orientation	-	10.12.2002 to 06.01.2003	(UGC ASC RU)
2. Refresher	-	(i) 20.07.1993 to 14.08.1993	(UGC ASC RU)
		(iii) 16.08.1994 to 05.09.1994	(UGC ASC RU)
		(iv) 24.08.2001 to 13.09.2001	(UGC ASC RU)
		(v) 22.06.2012 to 12.07.2012	(UGC ASC RU)
		(vi) 05.09.2012 to 25.09.2012	(UGC ASC RU)

कृषि बाजार शुल्क के विरोध में रांची में प्रदर्शन करते व्यापारी

विरोध किया. इस दौरान सभी जिलों एवं प्रखंडों में कृषि उपज, वन उपज के थोक व खुदरा व्यापारी काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन करते दिखे. विभिन्न जिले में मौजूद स्थानीय चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से उपायुक्तों

से 15 मई तक विधेयक को समाप्त करने की मांग की गयी है. सरकार की ओर से निर्णय न लेने पर 16 मई से व्यापारी राज्य में खाद्यान्न की आपूर्ति व्यवस्था को बाधित करने में बाध्य होंगे. इससे पहले राज्य भर में

आरयू कलम. रांची विवि में पहली बार शिक्षकों की लिखी पुस्तकों की प्रदर्शनी

जयपाल सिंह मुंडा और नरेंद्र मोदी पर लिखी किताबें खींच रहीं ध्यान

- **पूर्व कुलपति ने किया उद्घाटन, प्रदर्शनी में तीन रिसर्च स्कॉलरों की किताबें भी शामिल**

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

रांची विवि के इतिहास में पहली बार यहां के शिक्षकों द्वारा लिखी पुस्तकों की प्रदर्शनी मोरहाबादी के आर्यभट्ट सभागार में लगायी गयी है. 'आरयू कलम' शीर्षक से आयोजित इस प्रदर्शनी में वर्ष 1961 से लेकर अब तक की अलग-अलग विषयों की किताबों को शामिल किया गया है. डॉ दमयंती सिंकु द्वारा हो भाषा में लिखा गया श्रुति नाटक 'मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा' और हिंदी के प्रोफेसर डॉ जयप्रकाश पांडेय की लिखी पुस्तक 'विश्व नायक नरेंद्र मोदी' इस पुस्तक प्रदर्शनी का आकर्षण हैं. मंगलवार को रांची विवि के पूर्व कुलपति डॉ केके नाग ने पुस्तक प्रदर्शनी उद्घाटन किया.

पुस्तक प्रदर्शनी में रांची विवि के लगभग 70 शिक्षकों की 700 किताबों को प्रदर्शित किया गया है. रांची विवि के जिन शिक्षकों की किताबों को प्रदर्शनी में रखा गया है, उनमें रांची विवि की प्रभारी कुलपति डॉ कामिनी कुमार, इतिहास के डॉ कंजीव लोचन, बॉटनी की अनीता मेहता, संस्कृत की डॉ अर्चना दुबे, एंथ्रोपोलॉजी की आस्था, खोरठा की अहिल्या कुमारी, साइकोलॉजी के बीके मिश्रा, सेवानिवृत्त हिंदी के शिक्षक डॉ जेबी पांडेय सहित अन्य शिक्षक शामिल हैं. कुलपति की लिखी किताब क्रोमोसोम, प्लांट ब्रीडिंग सहित अ... किताबें हैं. वहीं, इंग्लिश के तीन रिस... स्कॉलर प्रसन्नजीत दास, डॉ लि... विश्वास और डॉ देबलीना रॉय चौ... की तीन किताबों को इस प्रदर्श... शामिल किया गया है.

1961 की किताब की कीमत थी मात्र 20 रुपये

प्रदर्शनी में वर्ष 1961 में डॉ अयोध्या प्रसाद सिंह द्वारा लिखित किताब भावविभूति और उनकी नाट्यकला को रखा गया है. उस समय इसकी कीमत केवल 20 रुपये थी. इनकी दूसरी 1970 की किताब शिशुपालवधम को भी इसमें शामिल किया गया है. जबकि भूगोल विभाग की 1965 के जर्नल के अलावा अन्य विषयों के भी जर्नल को इसमें शामिल किया गया है. उद्घाटन अवसर पर प्रभारी कुलपति डॉ कामिनी कुमार, डॉ शाहीन शबा और डॉ अशोक सिंह की पुस्तक का विमोचन भी किया गया. इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू डॉ आरके शर्मा, कुल सचिव डॉ एमसी मेहता और डॉ प्रीतम कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे.

दीक्षा समारोह के लिए रजिस्ट्रेशन 25 तक

रांची. केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के दूसरे दीक्षा समारोह में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों को एक और मौका दिया गया है. जो विद्यार्थी छूट गये हैं, वे 25 अप्रैल तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं. समारोह का आयोजन मई के पहले सप्ताह में होने की संभावना है. विवि

आरजेएसपी कैंसर अस्पताल में दी गयी आग से बचाव की जानकारी

रांची. राजधानी के कटहल मोड़ स्थित आरजेएसपी कैंसर अस्पताल में अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत मंगलवार को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया. इस दौरान अग्निशमन

रिम्स में शॉर्ट टर्म फेलोशिप कोर्स शु...

रांची. रिम्स में मंगलवार को ... टर्म फेलोशिप पाठ्यक्रम ... हुआ. ट्रॉमा सेंटर में आ... कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ... दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर डॉ ... द्विवेदी ने नये कोर्स की ज... दी. तीन साल तक च...